# S-209

Total Pages : 3 Roll No. .....

# MAHL-508

## साहित्यशास्त्र एवं हिंदी समालोचना ( भाग दो )

एम.ए. हिन्दी (MAHL)

2nd Semester Examination, 2022 (Dec.)

**Time : 2 Hours]** **Max. Marks : 70**

**नोट :** यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खण्डों, क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

### ( खण्ड-क )

### ( दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न )

**नोट :** खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×19=38)

1. हिंदी साहित्य में मार्क्सवादी विचारों से प्रेरित प्रगतिवाद साहित्य की व्याख्या कीजिए।

2. उत्तर आधुनिकता के विभिन्न मतों पर चर्चा करते हुए उत्तराधुनिकता का विश्लेषण कीजिए।

3. संरचनावाद एवं उत्तरसंरचनावाद की मूलभूत मान्यताओं और विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

4. यथार्थवाद, अतियथार्थवाद से आप क्या समझते हैं विवेचना कीजिए।

5. आचार्य रामचंद्र शुक्ल का जीवन परिचय देते हुए हिंदी आलोचना के क्षेत्र में उनके योगदान को स्पष्ट कीजिए।

## ( खण्ड-ख )

## ( लघु उत्तरों वाले प्रश्न )

**नोट :** खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×8=32)

1. शुक्ल युग के प्रमुख आलोचक डॉ. नगेन्द्र के आलोचनात्मक साहित्य के महत्त्व पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

2. डॉ. रामविलास शर्मा के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालिए।

3. प्रगति शब्द का आशय स्पष्ट करते हुए प्रगतिवाद पर प्रकाश डालिए।

4. मार्क्सवाद के प्रमुख तत्वों का संक्षिप्त परिचय लिखिए।

5. नव्यशास्त्रवाद व नयी समीक्षा किसे कहते हैं?

6. दादावाद व शैलीविज्ञान की प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

7. स्वच्छंदतावाद की प्रमुख प्रवृत्तियों को स्पष्ट कीजिए।

8. नंददुलारे वाजपेयी के जीवन परिचय पर प्रकाश डालिए।